



विवाह में कुंडली मिलान के लिए विशेषज्ञ युक्तियाँ ।

हिंदू धर्म में विवाह के लिए आज भी कुंडली मिलान को ही प्राथमिकता दी जाती है। कुंडली मिलान, जिसे अष्टकट मिलान के रूप में भी जाना जाता है, सदियों से चली आ रही एक परंपरा है जिसमें वर और वधु के गुण मिलान करके यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि वे दोनों एक दूसरे के लिए उपयुक्त हैं या नहीं। विवाह की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि पार्टनर एक-दूसरे को कितनी अच्छी तरह समझते हैं और सहयोग करते हैं, जिसे अनुकूलता कहा जाता है। ज्योतिष में, **कुंडली मिलान** को आठ कूट यानि श्रेणियों के तहत जांचा जाता है इसलिए इसे अष्टकट मिलान भी कहते हैं। प्रत्येक कूट या श्रेणी वित्तीय, आध्यात्मिक, शारीरिक, मानसिक और यौन अनुकूलता जैसे विभिन्न पहलुओं की जांच करता है। एक खुशहाल वैवाहिक जीवन के लिए कुंडली मिलान मुख्य आधार माना जाता है।



क्या विवाह के लिए कुंडली मिलान आवश्यक है?

जी हां, भारतीय संस्कृति के अलावा कई संस्कृतियों में **विवाह के लिए कुंडली मिलान** एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान माना जाता है। इसमें भावी जोड़े की अनुकूलता का आकलन करने और वैवाहिक रिश्तों में उत्पन्न होने वाली किसी भी संभावित समस्या की पहचान करने के लिए उनके ज्योतिषीय चार्ट की जांच की जाती है। कुंडली मिलान एक खुशहाल वैवाहिक जीवन की गारंटी नहीं देता, लेकिन यह मानसिक शांति जरूर देता है। सुखी विवाह के लिए उपयुक्त साथी ढूंढते समय, किसी ज्योतिषी से परामर्श करना जो कारक, चंद्र राशि, नक्षत्र और गुण स्कोर का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करता है, अत्यधिक प्रभावी हो सकता है। ज्योतिषीय विश्लेषण साधारण गुण मिलान स्कोर से आगे की भी बहुत विस्तृत जानकारी दे सकता है।



विवाह के लिए कुंडली मिलान कैसे करें?

विवाह के लिए कुंडली मिलान की जाँच में कई चरण शामिल होते हैं:

1. **जन्म विवरण:** संभावित वर और वध के जन्म की तारीख, समय और स्थान सहित सटीक जन्म विवरण इकट्ठा करें।
2. **कुंडली बनाएं:** ज्योतिषीय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके या किसी ज्योतिषी से परामर्श करके दोनों व्यक्तियों की **जन्म कुंडली** बनाएं।
3. **गण मिलान का आकलन करें:** गण मिलान करें, जिसमें वर और वध के गुणों का मिलान शामिल है। यह आम तौर पर अष्टकूट विधि का उपयोग करके किया जाता है, जो विभिन्न संगतता पहलुओं को अंक प्रदान करता है।
4. **कुंडली के दोषों की जांच करें:** किसी भी कुंडली में मंगल दोष, **नाडी दोष**, या भूकट दोष जैसे दोषों की पहचान करें। दोष विवाह में संभावित चुनौतियों का संकेत दे सकते हैं और उपचार या आगे के विश्लेषण की आवश्यकता हो सकती है।
5. **ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण करें:** विवाह और अनुकूलता पर उनके प्रभाव को समझने के लिए कुंडली में मंगल, शुक्र, और बृहस्पति जैसे ग्रहों की स्थिति की जांच करें।
6. **अन्य कारकों पर विचार करें:** चंद्रमा और लग्न की स्थिति, साथ ही कुंडली में तत्वों और गुणों के समग्र संतलन जैसे कारकों को ध्यान में रखें।
7. **किसी ज्योतिषी से परामर्श लें:** किसी अनुभवी ज्योतिषी से मार्गदर्शन लें जो कुंडलियों की व्याख्या कर सके, अनुकूलता का आकलन कर सके और मिलान प्रक्रिया में बताई गई किसी भी चुनौती के लिए अंतर्दृष्टि या उपाय प्रदान कर सके।
8. **निष्कर्षों पर चर्चा करें:** कुंडली/**kundli** के मिलान के परिणामों को दोनों परिवारों के साथ साझा करें और किसी भी संभावित चिंता या अनुकूलता के क्षेत्रों पर चर्चा करें। विवाह करना है या नहीं करना है इस बात का निर्णय दोनों परिवार आपस में बातचीत करके लें।

वर और वध इन चरणों का पालन करके और जानकार व्यक्तियों से परामर्श करके अपनी अनुकूलता के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और अपने विवाह से जुड़े सूचित निर्णय ले सकते हैं।



विवाह में कुंडली मिलान के लिए विशेषज्ञ युक्तियाँ



For IOS



For Android



www.kundli hindi.com

Source - <https://kundli hindi.com/blog/vivah-me-kundli-milan-ki-visheshta/>